Total No. of Questions : 08] [SET-A] [Total No. of Printed Page : 2

FINAL EXAMINATION – JULY 2017

एम0ए0 हिन्दी साहित्य

प्रथम सेमेस्टर

1MAHIN 2

प्रश्न पत्र – द्वितीय

आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास - I

Time : 03 Hrs. **MM : 70**
MM : 25

नोट : किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांशो में से किन्ही दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(क) कारण की बात करना बेकार है। कारण हर चीज का कुछ न कुछ होता है। हालांकि यह आवश्यक नहीं कि जो कारण दिया जाए, वास्तविक कारण वही हो। और जब मैं अपने ही संबंध में निश्चित नहीं हूँ, तो और किसी चीज के कारण – अकारण के संबंध में निश्चित कैसे कर सकता हूँ।

(ख) मन पर जितना ही गहरा आघात होता है, उसकी प्रतिक्रिया भी उतनी ही गहरी होती है। इस अपकीर्ति तथा कलंक ने गोवर के अंतः स्थल को मथकर वह रत्न निकाल लिया जो अभी तक छिपा पड़ा था। आज पहली बार उससे अपने दायित्व का ज्ञान हुआ और उसके साथ ही संकल्प भी। अब तक वह कम से कम काम करता तथा ज्यादा से ज्यादा खाना अपना हक समझता था। उसके मन में कभी यह विचार ही नहीं उठा कि घर वालों के साथ उसका भी कुछ कर्तव्य है। आज माता पिता की उदात्त सभा ने जैसे उसके हृदय में प्रकाश डाल दिया।

(ग) अब वह प्रेम नहीं श्रद्धा की वस्तु थी। अब वह दुर्बल हो गयी थी और दुर्बलता मनस्वी आत्माओं के लिए उद्योग मंत्र है। मेहता प्रेम में जिस सुख की कल्पना कर रहे थे, उसे श्रद्धा ने और भी गहरा और स्फूर्तिमय बना दिया।

प्र.2. स्कन्दगुप्त के आधार पर जयशंकर प्रसाद की नाट्य कला की विवेचना कीजिए।

प्र.3. मोहन राकेश के नाटक आधे–अधूरे की रंगमंचीय संभावनाओं पर प्रकाश डालिए।

Total No. of Questions : 08] [SET-A] [Total No. of Printed Page : 2

FINAL EXAMINATION – JULY 2017

एम0ए0 हिन्दी साहित्य

प्रथम सेमेस्टर

1MAHIN 2

प्रश्न पत्र – द्वितीय

आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास - I

Time : 03 Hrs. MM : 70
MM : 25

नोट : किन्हीं पॉच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

प्र.1. निम्नलिखित गद्यांशो में से किन्ही दो की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए।

(क) कारण की बात करना बेकार है। कारण हर चीज का कुछ न कुछ होता है। हालांकि यह आवश्यक नहीं कि जो कारण दिया जाए, वास्तविक कारण वही हो। और जब मैं अपने ही संबंध में निश्चित नहीं हूँ, तो और किसी चीज के कारण – अकारण के संबंध में निश्चित कैसे कर सकता हूँ।

(ख) मन पर जितना ही गहरा आघात होता है, उसकी प्रतिक्रिया भी उतनी ही गहरी होती है। इस अपकीर्ति तथा कलंक ने गोवर के अंतः स्थल को मथकर वह रत्न निकाल लिया जो अभी तक छिपा पड़ा था। आज पहली बार उससे अपने दायित्व का ज्ञान हुआ और उसके साथ ही संकल्प भी। अब तक वह कम से कम काम करता तथा ज्यादा से ज्यादा खाना अपना हक समझता था। उसके मन में कभी यह विचार ही नहीं उठा कि घर वालों के साथ उसका भी कुछ कर्तव्य है। आज माता पिता की उदात्त सभा ने जैसे उसके हृदय में प्रकाश डाल दिया।

(ग) अब वह प्रेम नहीं श्रद्धा की वस्तु थी। अब वह दुर्बल हो गयी थी और दुर्बलता मनस्वी आत्माओं के लिए उद्योग मंत्र है। मेहता प्रेम में जिस सुख की कल्पना कर रहे थे, उसे श्रद्धा ने और भी गहरा और स्फूर्तिमय बना दिया।

प्र.2. स्कन्दगुप्त के आधार पर जयशंकर प्रसाद की नाट्य कला की विवेचना कीजिए।

प्र.3. मोहन राकेश के नाटक आधे–अधूरे की रंगमंचीय संभावनाओं पर प्रकाश डालिए।

1

प्र.4. भाषा शैली की दृष्टि से 'गोदान' की समीक्षा कीजिए।

प्र.5. हिन्दी रंगमंच की प्रमुख प्रवृत्तियों एवं रचनाकारों का वर्णन कीजिए।

प्र.6. उपन्यास कला के प्रमुख तत्वों का विवेचन कीजिए।

प्र.7. हिन्दी नाटक की विकास यात्रा पर प्रकाश डालिए।

प्र.8. ''सावित्री'' के माध्यम से लेखक यह दिखलाना चाहता है कि आधुनिक सावित्री अपने प्राचीन आदर्श से बिलकुल गिर गई है।'' इस कथन के पक्ष या विपक्ष में अपना मत प्रस्तुत कीजिए।

------x------

प्र.4. भाषा शैली की दृष्टि से 'गोदान' की समीक्षा कीजिए।

प्र.5. हिन्दी रंगमंच की प्रमुख प्रवृत्तियों एवं रचनाकारों का वर्णन कीजिए।

प्र.6. उपन्यास कला के प्रमुख तत्वों का विवेचन कीजिए।

प्र.7. हिन्दी नाटक की विकास यात्रा पर प्रकाश डालिए।

प्र.8. ''सावित्री'' के माध्यम से लेखक यह दिखलाना चाहता है कि आधुनिक सावित्री अपने प्राचीन आदर्श से बिलकुल गिर गई है।'' इस कथन के पक्ष या विपक्ष में अपना मत प्रस्तुत कीजिए।

------x------

2